(भाग-1)

हिंदी भाषा

इकाई - 1

पल्लवन

'पल्लवन' शब्द, अर्थ एवं पर्याय, पल्लवन : व्याख्या एवं भावार्थ, पल्लवन तथा संक्षेपण, पल्लवन की परिभाषा, पल्लवन के सामान्य नियम, पल्लवन लेखन-प्रक्रिया , पल्लवन की विशेषताएँ, पल्लवन करते समय सावधानियाँ, कुशल पल्लवनकर्ता के गुण।

पत्राचार

प्रस्तावना, पत्र-लेखन भावाभिव्यंजना का सशक्त माध्यम है, पत्र-लेखन का महत्त्व , पत्र-लेखन की विशेषताएँ, पत्र-लेखन के अंग, पत्र के प्रकार, औपचारिक तथा अनौपचारिक पत्र में अंतर, औपचारिक तथा अनौपचारिक पत्रों की लेखन-प्रक्रिया में अंतर, सरकारी, अर्ध सरकारी, व्यावसायिक पत्र, आवेदन-पत्र, शिकायती पत्र।

अनुवाद

भूमिका 'अनुवाद' शब्द, अर्थ एवं स्वरूप, परिभाषा, अनुवाद के प्रकार, अच्छे अनुवाद के लिए ध्यान देने योग्य बातें, अनुवादक के गुण, अनुवाद-प्रक्रिया।

परिभाषिक शब्दावली

प्रस्तावना, 'पारिभाषिक शब्दावली' अर्थ एवं स्वरूप, परिभाषा, पारिभाषिक शब्दावली निर्माण के सिद्धांत, पारिभाषिक शब्दावली की विशेषताएँ, पारिभाषिक शब्दावली निर्माण में ध्यान देने योग्य बातें, सामान्य और पारिभाषिक शाब्द में अंतर, पारिभाषिक शब्दों की कुछ व्यावहारगत समस्याएँ, पारिभाषिक शब्दावली का महत्त्व, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, न्यायालय, सामान्य प्रशासन तथा वाणिज्य-विषयक पारिभाषिक शब्द।

इकाई - 2

मुहावरे

'मुहावरे' का अर्थ एवं परिभाषा, मुहावरे की विशेषताएँ, मुहावरों का महत्त्व, मुहावरा एवं कहावतों में अंतर, कुछ मुहावरे, अर्थ एवं वाक्य-प्रयोग।

लोकोक्तियाँ या कहावतें

'लोकोक्ति' का अर्थ एवं स्वरूप, लोकोक्ति की विशेषताएँ, कुछ प्रचलित लोकोक्तियाँ : अर्थ एवं वाक्य-प्रयोग।

शब्दगत अशुद्धियाँ

'शब्द' अर्थ, स्वरूप एवं परिभाषा, शब्दगत अशुद्धियाँ एवं अशुद्धि-शोधन, शब्द-अशुद्धियों के कुछ प्रमुख कारण, कुछ अशुद्ध शब्दों के शुद्ध रूप।

मानक हिंदी : वाक्यगत अशुद्धियाँ

वाक्य क्या है? स्वरूप एवं परिभाषा, वाक्य के अंग, वाक्य एवं पदबंध, वाक्य संबंधी ध्यान देने योग्य बातें, वाक्य के प्रकार, वाक्य संबंधी की जाने वाली अशुद्धियाँ।

पर्यायवाची शब्द

'पर्यायवाची शब्द' अर्थ, स्वरूप, एवं परिभाषा, कुछ पर्यायवाची शब्द।

विलोम शब्द या विपरीतार्थी शब्द

'विलोम' या 'विपरीतार्थी' शब्द, कुछ प्रचलित शब्दों के विलोम शब्द।

अनेकार्थी शब्द

अनेकार्थी शब्द, कुछ प्रचलित अनेकार्थी शब्द।

समश्रुत अथवा समानोच्चारित शब्द

'समश्रुत' अथवा 'समानोच्चरित' शब्द से अभिप्राय, कुछ समानोच्चरित शब्द।

अनेक शब्दों के लिए एक शब्द

अनेक शब्दों के 'एक शब्द' से अभिप्राय, कुछ अनेक शब्दों के एक शब्द।

इकाई - 3

देव नागरी लिपि की विशेषता, देवनागरी लिपि एवं वर्तनी का मानक रूप

'लिपि' शब्द और परिभाषा, लिपि की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, देवनागरी लिपि की उत्पत्ति और विकास, 'नागरी' का नामकरण, नागरी लिपि में सुधार के प्रयास, नागरी लिपि की विशेषताएँ, नागरी लिपि के संबंध में प्रश्नों का मूल्यांकन।

मानक हिंदी एवं देवनागरी लिपि एवं वर्तनी का मानक रूप

'मानक भाषा' का अर्थ एवं परिभाषा, मानक भाषा की विशेषताएँ, हिंदी का मानक रूप, कुछ शब्द तथा वाक्य के प्रचलित और मानक रूप, संख्याओं की मानक वर्तनी।

इकाई - 4

हिंदी में कंप्यूटर का अनुप्रयोग, हिंदी में पदनाम

'कंप्यूटर' का संक्षिप्त ऐतिहासिक परिचय, गणना-यंत्र और कंप्यूटर का विकास, कंप्यूटर के घटक, कंप्यूटर की विशेषताएँ, कंप्यूटर की भाषा, कम्प्यूटर और हिंदी भाषा, इंटरनेट, शिक्षा और इंटरनेट, कंप्यूटर का उपयोग एवं महत्त्व, हिंदी के पदनाम।

इकाई - 5

हिंदी : अपठित गंद्याश, संक्षेपण

'अपठित गंद्याश' का परिचय, ध्यान देने योग्य बातें, 'संक्षेपण' का अर्थ एवं परिभाषा, संक्षेपण के नियम, संक्षेपण-प्रक्रिया, संक्षेपण के प्रकार, संक्षेपण की विशेषताएँ, संक्षेपण करते समय आवश्यक सावधानियाँ, संक्षेपण की उपयोगिता एवं महत्त्व, उदाहरण।